राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

08 अप्रैल 2023: शनिवार: वर्ष– 03: अंक – 53

सौरमण्डल का गीत

आज की कविता

सूरज इस परिवार का मुखिया है और सब उसके परिवार जन। अगर इस परिवार के सब जन बारी बारी से आकर अपना परिचय दें और गाकर अपने बारे में बताएं तो कितना मजा आएगा। उनका नाच भी देखने को मिलेगा । तो सुनते हैं सौर मण्डल का ये गीत। गीत सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Bindi Ke Balgeet

वफादार हाथी

आज की कहानी

चिड़िया घर के तीन हाथी जॉन, टोनकी और वेनली ने अपने मालिकों का दिल जीतने की बहुत कोशिश की लेकिन चिड़ियाघर के कर्मचारी मजबूर थे। उन्हें सरकार का हुक्म था कि जानवरों को खाना नहीं दिया जाए और उन्हें भूखे मरने दिया जाए। जॉन तो सबसे पहले भूख से मरा; फिर बाकियों का क्या हुआ ? ये सच्ची कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। RSLPP

चिड़िया और पहाड़

आज की किताब

एक पहाड़ था, बिल्कुल निर्जन उजाड़। न कोई तिनका, न कीडा-मकोड़ा। अकेले उदास रहता। फिर एक रोज एक चिड़िया आई, उस पर बैठी। उसे अच्छा लगा। फिर चिड़िया हर मौसम में आने लगी। पहाड़ को भी उसका इंतजार रहने लगा। फिर एक दिन क्या हुआ? क्या चिड़िया आई? क्या पहाड़ खुशहाल हुआ? पढ़ने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें?

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Tulika

पिंजड़े में लुका छिपी

आज की गतिविधि

एक पिंजड़े में दो दो जानवर! वो भी अलग अलग! एक शाकाहारी एक मांसाहारी ! है न अजब गजब ! लेकिन ये संभव है कागज के एक मजेदार खिलौने से ।आप कोई भी दो जानवर चुन सकते हो । इस मजेदार खिलौने को बनाना सीखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

स्कूली दुनिया में शिष्टाचार

टीचर्स कॉर्नर

आज सारी दुनिया में लोकतान्त्रिक मूल्यों को मजबूत करने की बात होती है। दरअसल इसकी तैयारी स्कूल के दिनों से ही शुरू होती है। लेकिन विडंबना है कि स्कूल इसके प्रति सचेत नहीं। आज जिस बचपन की अनदेखी हम करेंगे कल वही भविष्य का समज होना है। आनंद द्विवेदी इस गंभीर विषय पर अपने अनुभव और विचार साझा कर रहे हैं।

शिक्षकों के लिए। Sandarbh

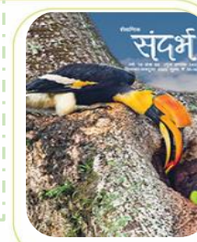

बाल साहित्य की जरूरत

हमारा पुस्तकालय

बच्चों को अगर अच्छा बाल साहित्य मिले और कक्षा में उसपर सहभागी चर्चा हो तो सीखने - सिखाने के अनगिनत द्वार खुल जाते हैं । लेकिन हम अच्छा बाल साहित्य किसे मानें ? कहाँ मिलेगा वो ? ऐसे ही कुछ सवालों पर हेमवती चौहान ने अपने इस आलेख पर चर्चा की है। लेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 154वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।